



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30]  
No. 30]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1974 (श्रावण 5, 1896)  
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1974 (SRAVANA 5, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किए गए हैं—  
The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 28th February 1973:—

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
------------------	--------------------------------	-----------------------------------	-----------------

—शून्य—  
—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम माँग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।  
माँग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of the Gazettes.

## विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	पृष्ठ 761	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	पृष्ठ 1919
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी भफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	1163	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . .	279
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	4229
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	823	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .	503
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	37
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों का रिपोर्ट . . . . .	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	341
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . .	1863	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . .	113
		पूरक सख्या 30—	
		20 जुलाई, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट . . . . .	897
		29 जून, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु-संबंधी आंकड़े . . . . .	905

## CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	PAGE 761	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (II).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	PAGE 1919
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	1163	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence . . . . .	279
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence . . . . .	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	4229
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	823	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta . . . . .	503
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	37
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills . . . . .	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	341
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	1863	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	113
		SUPPLEMENT No. 30	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 20th July 1974 . . . . .	897
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 29th June 1974 . . . . .	905

भाग I—खण्ड 1  
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

मंत्रीमंडल सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1974

सं० 10/14/74-के० से०-II—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 1974 में निम्नलिखित सेवाओं में अस्थायी रिक्तियों के भरने के प्रयोजन के लिए ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्व साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा—ग्रेड III
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा—ग्रेड III
- (iii) मण्डल सेवा मुख्यालय आणुलिपिक सेवा—ग्रेड III

कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं में से किसी एक या एक से अधिक से सम्बन्धित परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। इन सेवाओं में से, जिनकी के लिए भी वह उम्मीदवारी के लिए विचार कराया जाता चाहे अपने आवेदन पत्र में उनका उल्लेख कर सकता है।

नोटः—उम्मीदवार को चाहिए, कि वे जिन सेवाओं के लिए प्रतियोगिता करना चाहते हैं, उनकी वरीयता के क्रम को स्पष्ट रूप से लिख दें। उम्मीदवार द्वारा प्रारम्भ में अपने आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट सेवाओं के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसे अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में परीक्षा की तारीख से तीन महीने के भीतर प्राप्त न हो।

2. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान संस्थान द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या संस्थान द्वारा जारी की गई सूचना में निर्दिष्ट की जाएगी। भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा की गई संख्या तक आरक्षण की व्यवस्था होगी।

भूतपूर्व सैनिक का अर्थ उस व्यक्ति से है जो संघ की सशस्त्र सेनाओं में किसी भी पद पर (चाहे लड़ाकू सैनिक के रूप में रहा हो अथवा नहीं) छः मास की अवधि तक निरन्तर रहा हो और दुराचार अथवा अदक्षता के कारण पदच्युत या सेवामुक्त करके निर्मुक्त न किया गया हो।

व्याख्याः—इन नियमों के प्रयोजन के लिए “संघ की सशस्त्र सेनाओं में भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं शामिल हैं लेकिन उसमें निम्नलिखित सेनाओं के सदस्य शामिल नहीं हैं :—

- (क) आसाम राइफल;
- (ख) लोक सहायक सेना; और
- (ग) जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों में अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक में है।

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति सूचियाँ (संशोधन) आदेश, 1956 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (भाग “ग” राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950 और संविधान अनुसूचित आदिम जाति (भाग “ग” राज्य) आदेश, 1951 संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 और संविधान (पाँडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन व दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

4. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
- (च) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंजानिया व जंजीबार) से प्रवाजित हुआ हो।

परन्तु ऊपर की श्रेणी (ग), (घ), (ङ) और (च) में सम्बन्धित उम्मीदवारों के भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

किन्तु निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग के उम्मीदवार के मामले में पात्रता-प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा :—

- (i) 19 जुलाई, 1948 से पूर्व पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित और साधारणतः तब से भारत में रह रहे व्यक्ति।
- (ii) 19 जुलाई 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित वे व्यक्ति जिन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 6 के अन्तर्गत अपने आप को भारतीय नागरिक के रूप में पंजीयित करा लिया हो।
- (iii) तथापि ऊपर की श्रेणी (च) के उन गैर नागरिक उम्मीदवारों जो संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आ गए और तभी से लगातार उस सेवा में हैं, के मामलों में पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं होगा परन्तु जो व्यक्ति सेवा भंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उम्मीद सेवा में फिर आया हो अथवा फिर आए, उसे सामान्य रीति से पात्रता प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक होगा।

किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक, यदि सरकार आवश्यक प्रमाण पत्र दे दे तो उसे परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है तथा अनन्तिम रूप से उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

(5) जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित न हो, या संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी न हो या संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन तथा दीव का निवासी न हो, या केन्या/उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके न आया हो वह प्रतियोगिता में दो से अधिक बार नहीं बैठ सकता। यह प्रतिबन्ध सन् 1972 में ली गई परीक्षा से लागू होगा।

(6) (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1974 को 18 वर्ष की हो और 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1949 से पहले और 1 जनवरी, 1956 के बाद न हुआ हो।

(ख) उस ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष आयु तक की छूट दी जाएगी जो संघ राज्य प्रशासन सहित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों/विभागों तथा निर्वाचन आयोग अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्यालयों में आशुलिपिकों (भाषा आशुलिपिकों सहित)/लिपिकों/आशुटंककों/हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों को पद पर नियमित रूप से नियुक्त है और 1 जनवरी, 1974 को जिन्होंने आशुलिपिकों (भाषा आशुलिपिकों सहित)/लिपिकों/आशुटंककों/हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा कर ली है और उसी रूप में सेवा कर रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उपर्युक्त आयुसीमा में छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा आयोजित किसी पूर्व परीक्षा के आधार पर आशुलिपिक नियुक्त है।

(ग) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामले में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो, उनकी सशस्त्र सेना में कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

परन्तु इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

नोट :—उपरोक्त नियम 6 (ग) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आह्वान पर सेवा की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

(घ) उक्त ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और अधिक छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (2) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा फँच भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (5) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,

- (7) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा, और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजित हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (8) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके पश्चात भारत से प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो, और पहली जून, 1963 को या उसके पश्चात भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (10) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करने समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा-सेवा कार्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (11) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करने समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कार्मिकों के मामले में जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से सम्बन्धित हों, अधिकतम 8 वर्ष तक।
- (12) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र के गोआ, दमन और दीव का रहने वाला है तो अधिकतम तीन वर्ष
- (13) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विस्फांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक और
- (14) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विस्फांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कार्मिकों के मामले में अधिकतम 8 वर्ष तक, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों।

**ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा ऊपर विहित आयु सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।**

टिप्पणी (1) उपर्युक्त नियम 6 (ख) के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश किए गए व्यक्ति की उम्मीदवारी उस हालत में रद्द कर दी जाएगी यदि वह आवेदनपत्र प्रस्तुत करने के पश्चात परीक्षा से पहले अथवा बाद में सेवा से त्यागपत्र दे देता है अथवा उसके विभाग द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात सेवा अथवा पद से उसकी छंटनी कर दी जाती है तो भी वह परीक्षा के योग्य बना रहेगा।

(2) आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित)/लिपिक/आण्टकक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निसंबर्ग पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है, यदि अन्य प्रकार से पात्र हो, तो इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

(7) यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पास की हो या उनके पास निम्नलिखित में से एक प्रमाण पत्र हो :—

- (1) भारत के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा;
- (2) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में शालान्त (स्कूल लीविंग) माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाणपत्र के दिए जाने के लिए, जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष मानती हो, ली गई कोई परीक्षा,
- (3) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज)
- (4) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा,
- (5) अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (6) दिल्ली पोलिटेकनीक के तकनीकी हायर सैकण्डरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र,
- (7) भारत में किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकण्डरी स्कूल/मल्टीपरपज स्कूल द्वारा हायर सैकण्डरी पाठ्यक्रम/मल्टीपरपज पाठ्यक्रम (जो किसी छात्र को डिग्री के कोर्स के लिए पात्र बनाता है (के उपान्तिम वर्ष में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण)।
- (8) किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकण्डरी स्कूल या इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार कराने वाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र,
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए,
- (10) बंगाल (साइंस) स्कूल सर्टिफिकेट,
- (11) नेशनल काउन्सिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद) जावहरपुर पश्चिमी बंगाल की (शुरु से लेकर) फाइनल स्कूल स्टैन्डर्ड परीक्षा,
- (12) पांडिचेरी की नीचे लिखी फ्रेंच परीक्षाएं :—
  - (1) ब्रीवे एलिमेन्टेयर (2) ब्रीवे दैससीमा प्री-मियेर ब्लांग इंडियेन (3) ब्रीवे दे एतयूद ट्यु प्रीमिये सिकल (4) ब्रीवे द एसीमा प्रीमियेर सुपीरियर दे लांग इंडियेन और
  - (5) ब्रीवे दे लांग इंडियेन (वर्नाक्यूलर)

- (13) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन,
- (14) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशन टैस्ट,
- (15) एडवांस क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,
- (16) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (17) ईस्ट बंगाल सेकण्डरी एजुकेशन बोर्ड, डाक द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र ।
- (18) बंगला देश में कौमीला । राजशाही खुलना । जैसोर के बोर्ड आफ सेकण्डरी एजुकेशन द्वारा दिए गए सेकण्डरी स्कूल के प्रमाण-पत्र,
- (19) नेपाल सरकार की स्कूल-लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (20) एंग्लोवर्नक्युलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (बर्मा)
- (21) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट, विश्वविद्यालय कोर्स के लिए पात्रता सहित,
- (22) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एंग्लोवर्नक्युलर हाई स्कूल परीक्षा (युद्धपूर्व)
- (23) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट,
- (24) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की बिनित परीक्षा,
- (25) गोवा, दमन और दीव की पुर्तगाली परीक्षा आइसिमूम के पांचवें वर्ष में पास,
- (26) श्रीलंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन (साधारण-स्तर) नामक परीक्षा यदि वह कम से कम पांच विषयों सहित पास की गई हो,
- (27) सामान्य स्तर पर लन्दन के ऐमोसिएटिड एग्जामिनेशन बोर्डस का जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो,
- (28) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/सेकण्डरी तकनीकी स्कूल परीक्षा ।
- (29) वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खण्ड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा उस विद्यालय के विषयों में से एक विषय अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशिष्ट परीक्षा,
- (30) गोवा, दमन तथा दीव की स्वतन्त्रता से पूर्व पुर्तगाली स्थापना के अन्तर्गत इस्कोला इन्डस्ट्रियल कामर्शियल दी गोवा, पाणजी द्वारा दिया गया । कार्त दी कार्त दी, फेमिका दी सेरलेहरी (सिमिथी पाठ्यक्रम का प्रमाणपत्र) तथा कार्त दी कुसों दी मोन्तादर हलैक्ट्रीसिस्टा (हलैक्ट्रीसियन) पाठ्यक्रम का प्रमाणपत्र,
- (31) राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालेज डिप्लोमा परीक्षा;
- (32) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा ली जाने वाली 'मध्यमा' परीक्षा;
- (33) शिक्षा निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा कार्पोरल के रैंक में पदोन्नति हेतु ली जकने वाली भारतीय वायुसेना शैक्षिक परीक्षा;

- (34) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली अर्हक विज्ञान परीक्षा;
- (35) शिक्षा मन्त्रालय मलेशिया के सहयोग से ली जाने वाली कैम्ब्रिज लोकल एग्जामिनेशन सिन्डीकेट विश्व-विद्यालय की मलेशियन सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा ।
- (36) पंजाब विश्वविद्यालय की हायर सेकण्डरी (कोर विषय) परीक्षा
- (37) बायेज ट्रेनिंग एस्टैब्लिशमेंट, विशाखापटनम द्वारा ली गई पासिंग आऊट (भारतीय नेवी) परीक्षा ।
- (38) ऐंग्लो इंडियन स्कूल मद्रास के निरीक्षक द्वारा ली गई ऐंग्लो इंडियन हाई स्कूल परीक्षा (स्टैंडर्ड XI) ।

टिप्पणी-1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, दे चुका हो, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है । जो उम्मीदवार उक्त किसी अर्हक (क्वालिफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाए । ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम होगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के अन्दर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकेगी ।

टिप्पणी-2 कुछ विशिष्ट मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, केन्द्रीय सरकार अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है, जो इस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है ।

#### 8. (1) जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जिसने, जीवित पति/पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है तो सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सम्बन्धी अन्य पक्ष के लिए प्रवृत्त व्यक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकृत है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और उसको इस नियम से छूट न दे दे ।

9. जो उम्मीदवार स्थाई या अस्थायी हैसियत से पहले से ही सरकारी सेवा कर रहा हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिए।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्बन्धित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टर की परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर की परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किए जाने की सम्भावना हो।

टिप्पणी :—अशक्त भूतपूर्व रक्षा सेवा कर्मियों के मामले में रक्षा सेवा के सेम विघटन डाक्टर बोर्ड (डिमोबिलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वास्थ्य-प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास संस्थान का प्रवेश पत्र (साटिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

13. सशस्त्र सेनाओं से निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों तथा ऐसे उम्मीदवारों को छोड़कर, जिन्हें संस्थान के नोटिस के पैरा 8(IV) के द्वारा फीस देने से छूट दी गई हो, सभी उम्मीदवारों को संस्थान के नोटिस के पैरा 8(1) में निर्धारित फीस देनी होगी।

भूतपूर्व सैनिकों को फीस में रियायत केवल तब ही दी जाएगी, जब कि वे भूतपूर्व सैनिकों के रूप में पात्रता की अन्य शर्तों को पूरा करते हों।

14. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो वह उम्मीदवार परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

15. यदि किसी उम्मीदवार को संस्थान द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य किए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा

(viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा

(ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) संस्थान द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बर्तन के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) संस्थान द्वारा, ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

16. परीक्षा के पश्चात् अंतिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर संस्थान उम्मीदवार की गुणानुक्रम (मैरिट) के आधार पर और उसी क्रम से परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रत्येक सेवा में भरे जाने के लिए निश्चित अनारक्षित रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार जितने उम्मीदवारों की परीक्षा के द्वारा अर्हता प्राप्त देखेगा, उनकी केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी-III में नियुक्ति के लिए सिफारिश करेगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो संस्थान द्वारा निर्धारित सामान्य मान के अनुसार उसे उस सेवा 1 पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित कर देने पर उस सेवा 1 पद में अनुसूचित जातियों अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

जो भूतपूर्व सैनिक परीक्षा फल के आधार पर संस्थान द्वारा नियुक्ति के योग्य समझे जाएंगे वे अपने लिए आरक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के योग्य होंगे और इस नियुक्ति के लिए परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

आगे यह भी शर्त है कि भूतपूर्व सैनिकों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो उन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों को जिन्हें संस्थान की शर्तों के अनुसार नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित किया गया हो उस सेवा/पद पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसे उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

17. परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियां करने समय उन वरीयताओं पर समुचित ध्यान दिया जाएगा जो उम्मीदवार ने विभिन्न सेवाओं के लिए अपने आवेदन पत्र (आवेदन-पत्र का कालम 13) में दी थी।

18. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान परिणामों के संबंध में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

19. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

20. उन सेवाओं से संबंधित सेवा के विवरण, जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है, संक्षेप में परिशिष्ट II में दिए गए हैं।

के० बी० नायर,  
अवर सचिव

#### परिशिष्ट 1

(1) परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

##### भाग क-लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
(1) अंग्रेजी	3 घंटे	100
(2) सामान्य ज्ञान	3 घंटे	100
भाग ख-- अंग्रेजी अथवा हिन्दी में आशुलिपि परीक्षा (जो लिखित परीक्षा में पास होंगे उन्हीं के लिए)		
		300 अंक

टिप्पणी—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के नोट को टंकण मशीन पर नकल करना होगा और इस उद्देश्य के लिए उन्हें अपनी मशीन साथ लानी होगी।

(2) लिखित परीक्षा का पाठ्य-क्रम तथा आशुलिपि परीक्षा की योजना इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिए अनुसार होंगे।

(3) उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे लिखित परीक्षा के सामान्य ज्ञान के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि में किसी में करें। प्रश्न पत्र (2) में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी न कि उसमें किसी भाग के लिए।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा में हिन्दी (देवनागरी) में ही देनी होगी, और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी में देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी अंग्रेजी में ही देनी होगी।

टिप्पणी-1 लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र (2) सामान्य ज्ञान तथा आशुलिपि परीक्षा के प्रश्नों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि में) देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरादा आवेदन पत्र के कालम 8 में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा का उत्तर अंग्रेजी में देंगे। एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अंतिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी-2 ऐसे उम्मीदवारों का अपनी नियुक्ति के बाद जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे, अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी।

टिप्पणी-3 जो उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 3 के अनुसार विदेशों में स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहते हैं और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (2) का उत्तर तथा आशुलिपि की परीक्षा में देना चाहते हैं उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में, वहां एसी परीक्षा लेने के आवश्यक प्रबन्ध हों आना पड़ सकता है।

4. लिखित परीक्षा का अंग्रेजी प्रश्न पत्र (1) का उत्तर सभी उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में देना अनिवार्य है।

5. जो उम्मीदवार 100 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुतलेखन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे वे 80 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुतलेखन में स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से क्रम में ऊपर होंगे। प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवर्तता अनुक्रम में रखा जाएगा [निम्नलिखित अनुसूची के भाग (ख) को देखें]।

6. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. संस्थान अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि की परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

9. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंश नहीं दिए जाएंगे।

10. लिखित विषयों में अस्पष्ट लिखावट के कारण, पूर्णांक के 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

11. परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई अभिव्यक्ति का लाभ दिया जाएगा।



## अनुसूची

## भाग-क

## लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम

**टिप्पणी—**भाग 'क' के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

**अंग्रेजी—**इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के अंग्रेजी व्याकरण और शुद्ध निबन्ध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की योग्यता की जांच करना है। अंक देते समय वाक्य-विन्यास सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा कौशल को ध्यान में रखा जाएगा। इस प्रश्न पत्र में निबन्ध लेखन, सार लेखन, मसौदा लेखन, शब्दों का शुद्ध प्रयोग, आसान मुहावरे और उपसर्ग, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष भाषण आदि शामिल किए जा सकते हैं।

**सामान्य ज्ञान—**भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाएं, सामान्य विज्ञान के विषयों का थोड़ा बहुत ज्ञान तथा दिन प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए उम्मीदवारों के उत्तर से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तर से किसी पाठ्यक्रम पुस्तक के व्योरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती।

## भाग-ख

## आशुलिपि परीक्षा की योजना

अंग्रेजी में आशुलिपि की दो श्रुतलेख परीक्षाएं होंगी—एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से 7 मिनट के लिए और दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 50 तथा 65 मिनट में लिप्यंतर (नकल) करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की दो श्रुतलेख परीक्षाएं होंगी—एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 75 मिनट में लिप्यंतर (नकल) करनी होगी।

## परिशिष्ट-2

उन सेवाओं से संबंधित विवरण जिनके लिए जो इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की इस समय निम्न चार श्रेणियां हैं :—

चयन श्रेणी रुपये 775-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200

ग्रेड-I रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040

161GI/74

ग्रेड-II रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800

ग्रेड-III रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560

- (2) श्रेणी 3 में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष के लिए परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और परीक्षाएं पास करनी होंगी।
- (3) परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति की अपने पद पर स्थायीकरण कर सकती है अथवा उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।
- (4) सेवा श्रेणी 3 में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। वे किसी भी समय किसी भी ऐसे दूसरे कार्यालय या मंत्रालय में बदले जा सकते हैं।
- (5) सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्त किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगली उच्च श्रेणी में पदोन्नति के पात्र होंगे।

**ख—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा :—**

- (क) (1) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

चयन ग्रेड : रुपये 775-35-880-1000 द० रो०-40-1200

ग्रेड-I रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040

ग्रेड-II रुपये 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800

ग्रेड-III रुपये 330-10-380-द० रो०-12-500-15-560

- (II) श्रेणी III में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष के लिए परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और परीक्षाएं पास करनी होंगी। परीक्षा की अवधि समाप्त होने पर यदि सरकार की राय में यह पाया जाता है कि उनमें से किसी का भी कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो उसे सेवा से बर्खास्त किया जा सकता है या उसकी परीक्षा की अवधि उतनी और बढ़ायी जा सकती है जितनी सरकार उचित समझेगी।

- (ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय मात्र के लिए है और स्टाफ का अन्य मंत्रालय में अन्तरण नहीं किया जाता जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में होता है।

- (ग) रेलवे बोर्ड की आशुलिपिक सेवा के अधिकारी इन नियमों के अधीन भर्ती किए जाते हैं :

- (I) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और

(II) रैल-ग्रंथदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के उन नियमों के अन्तर्गत इस निधि में योगदान करना होगा जो सेवा में उनके आने पर नियुक्ति की तारीख से लागू होंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार पास और पी० टी० ओ० का विशेषाधिकार प्राप्त करने के पात्र होंगे।

(ङ) जहाँ तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के स्टाफ के साथ वैसे ही व्यवहार किया जाएगा जैसा कि अन्य रेल कर्मचारियों के साथ किया जाता है लेकिन चिकित्सा सुविधाओं के मामले में वे नई दिल्ली मुख्यालय वाले अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू नियमों द्वारा शासित होंगे।

#### सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

चयन ग्रेड : रु० 775-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200

ग्रेड-I रु० 650-30-740-35-880-ध० रो०-40-1040

ग्रेड-II रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800

ग्रेड-III रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15 560

2. ग्रेड-III में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षा पर रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना और परीक्षाएं पास करनी होंगी। परीक्षा की अवधि के दौरान यदि किसी परीक्षाधीन अधिकारी की सेवा का रिकार्ड असंतोषजनक होगा तो उसे सेवा-मुक्त किया जा सकता है या उसकी परीक्षा की अवधि को उतना और बढ़ाया जा सकता है जितना कि सरकार उचित समझे।

3. उक्त सेवा के ग्रेड III में भर्ती किए गए व्यक्तियों को साधारणतया दिल्ली/नई दिल्ली स्थित अन्तः सेवा संगठनों तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय (ए० एफ० एच० क्यू०) के किसी भी कार्यालय में नियुक्त कर दिया जाएगा। उन्हें दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर ऐसे अन्य स्टेशनों पर भी जहाँ ए० एफ० एच० क्यू०/आई० एस० संगठनों के कार्यालय हों नियुक्त किया जा सकता है।

4. उक्त सेवा के ग्रेड III में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगली उच्च ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही होंगी जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तः सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक-वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

#### वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून, 1974

#### संकल्प

फा० सं० 14(9) प्लॉट(ए०)/66—पथिनी सलाहकार बोर्ड के पुनर्गठन के सम्बन्ध में, दिनांक 17 नवम्बर, 1973, 21 फरवरी, 1974 तथा 15 मई, 1974 के संकल्पों सं० फा० 14(9)-प्लॉट(ए०)/66 द्वारा यथासंशोधित इस मंत्रालय के दिनांक 26 जुलाई, 1973 के संकल्प सं० फा० 14(9)-प्लॉट(ए०)/66 का और आगे उपान्तरण करते हुए, उक्त संकल्प में निम्नोक्त परिवर्तन किए जाएंगे, अर्थात् :—

(1) कंडिका 4 में “30 जून 1974” इन शब्दों तथा अंकों के स्थान पर “30 सितम्बर 1974” ये शब्द तथा अंक रखे जाएं। अन्य शर्तें अपरिवर्तित हैं।

आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एस० महादेव अय्यर, अवसर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1974

सं० 4(1)/73-ई०पी०जैड०—केन्द्रीय सरकार डा० एन० के० सेनगुप्ता के स्थान पर श्री सी० बालसुब्रमणियम, संयुक्त सचिव, कम्पनी कार्य विभाग को सान्ता क्रूज एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग बोर्ड के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार, विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 16(2)/73-टी०ए०ई०पी०, दिनांक 20 जनवरी, 1973 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रमांक 14 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“14. श्री सी० बालसुब्रमणियम,  
संयुक्त सचिव,  
कम्पनी कार्य विभाग—”

पी० सी० जयरामन्  
उप निदेशक

#### औद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक जून 1974

#### संकल्प

सं० 1(II)/73-सी० जी० पी०—इस मंत्रालय के संकल्प सं० 55/1/73-कन० इंड० दिनांक 25 सितम्बर, 1973 में अंशतः संशोधन करते हुए, श्री टी० सी० के० पिल्ले के स्थान पर क्रम सं० 5 के सामने सीनी मिट्टी उद्योग की नामिका में सदस्य के रूप में निम्नलिखित अधिकारी को शामिल करने का निर्णय किया गया है :—

श्री एन० गोपाल कृष्णन् नायर,  
महा प्रबंधक,  
मै० धी केरल सिरेमिक्स लि०,  
पोस्ट आफिस कुन्दरा, केरल।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस मंत्रालय की सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एम० सुब्रह्मण्यन  
अवर सचिव

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 जून 1974

क्र० सं० 1/6/72-सी०टी०ई०—श्री एम० आर० यादो० के स्थान पर श्री एच० एन० रे, वित्त सचिव, भारत सरकार को दिनांक 31-5-1974 (अपराह्न) से सी० एस० आई० आर० की शासी सभा में सदस्य (वित्त) के रूप में मनोनीत किया गया है। फल स्वरूप, श्री एम० आर० यादो० का नाम जो अधिसूचना क्रमांक 1/8/71 दिनांक 20 अक्तूबर, 1973 को भारत के राजपत्र भाग 1, अनुभाग 1 में क्रमांक 1 में कोष्टक के अन्तर्गत सी० एस० आई० आर० (वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक अनुसंधान परिषद्) की सोसायटी में सी० एस० आई० आर० की शासी सभा के सदस्यों का मनोनयन करने के संबंध में प्रकाशित हुई थी, के स्थान पर अब "श्री एच० एन० रे" माना जाये।

सं० 1/72/सी०टी०ई०—श्री एम० आर० यादो० के स्थान पर श्री एच० एन० रे, वित्त सचिव, भारत सरकार को दिनांक 31-5-1974 (अपराह्न) से सी० एस० आई० आर० की शासी सभा में सदस्य (वित्त) के रूप में मनोनीत किया गया है। फल-स्वरूप, श्री एम० आर० यादो० का नाम जो अधिसूचना क्रमांक 1/6/72-सी०टी०ई० दिनांक 10 अगस्त, 1973 को भारत के राजपत्र भाग 1, अनुभाग 1 के क्रमांक 2 कोष्टक के अन्तर्गत सी० एस० आई० आर० की शासी सभा के गठन के संबंध में प्रकाशित किया गया था, के स्थान पर अब "श्री एच० एन० रे" माना जाये।

के० जी० कृष्णामूर्ती,  
संयुक्त सचिव, (पदेन)  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग  
नई दिल्ली।

## शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

## (शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक जून 1974

सर जम्सेतजी जीजीभाय पारसी धर्मादा संस्था, बम्बई के मामले में

सं० एफ० 8-5/72-समन्वय—जबकि सर जम्सेद जी जीजी-भाय पारसी धर्मादा संस्था, बम्बई के प्रशासक द्वारा केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन पत्र भेजा गया है कि इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट प्रतिभूति का संस्था को प्रशासन योजना में निहित शर्तों पर न्यास में लागू करने के लिए उक्त संस्था के भारतीय पूर्त-अक्षय-निधि के कोषाध्यक्ष के पदनाम के अन्तर्गत प्रदान किया जाये। संस्था की प्रशासन योजना भूतपूर्व बम्बई सरकार को अधिसूचना संख्या 453 दिनांक 7 मार्च, 1906 के साथ प्रकाशित हुई थी।

अतः अब पूर्त अक्षय निधि अधिनियम 1806 (1890 का 6) के खण्ड 4 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रवक्ष अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निर्देश देती है कि उक्त प्रतिभूति भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषाध्यक्ष को उसके द्वारा अथवा न्यास के कार्यालय में उसके उत्तराधिकारियों द्वारा धारण करने योग्य उक्त प्रतिभूति प्रदान की जानी चाहिये। और उक्त योजना में निर्धारित शर्तों के अनुसार न्यास की आय भी उसी के नाम पर निहित होनी चाहिये।

प्रतिभूति का नाम	अनुसूची संख्या	अंकिती मूल्य
1	2	3
5३ प्रतिशत महा- राष्ट्र राज्य ऋण 1985	बी० वाई० 000756	रु० 500/- (केवल पांच सौ रुपये)

## प्रतिलिपि भिन्नलिखित अप्रेषित:-

- (1) भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषाध्यक्ष, वित्त मंत्रालय, (अक्षय निधि अधिनियम विभाग), नई दिल्ली को (चार फालतू प्रतियां सहित)
- (2) सचिव, सर जे० जे० पारसी धर्मादा संस्था, 209, डा० दादाभाई नारोजी मार्ग, फोर्ट, बम्बई को उनके पत्र संख्या 1974 के ई०/157 दिनांक 10 अप्रैल, 1974 के संदर्भ में (एक अतिरिक्त प्रति सहित)
- (3) सचिव, महाराष्ट्र सरकार, शिक्षा तथा समाज कल्याण विभाग, सचिवालय, बम्बई-32 को।

पी० एस० बासाकृष्णन्,  
अवर सचिव

## CABINET SECRETARIAT

## (DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; ADMINISTRATIVE REFORMS RULES)

New Delhi, the 27th July 1974

No. 10/14/74-CS-II.—The rules for a competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management, 1974 for the purpose of filling temporary vacancies in the following Services are published for general information:—

- (i) Central Secretariat Stenographers Service—Grade III.

- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade III.

- (iii) AFHQ Stenographers' Service—Grade III.

A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Service mentioned above. He may specify in his application as many of these Services as he may wish to be considered for.

N.B.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services for which they wish to be considered. No request for alteration in the order or preferences for the Services originally indicated by a candidate in

his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Institute of Secretariat Training & Management within three months of the date of the examination.

2. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute. Reservations will be made for candidates who are Ex-Servicemen and for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Ex-Serviceman means a person who has served in any rank (whether as a combatant or not) in the Armed Forces of the Union for a continuous period of six months and who has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

Explanation—For the purposes of these Rules "Armed Forces of the Union" shall include the Armed Forces of the former Indian States but does not include members of the following Forces, namely:—

- (a) Assam Rifles;
- (b) Lok Sahayak Sena; and
- (c) General Reserve Engineer Force.

Scheduled Castes/Tribes means any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of India origin who has migrated from Pakistan, Bangladesh, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e), and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories:—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.

(ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens of India under Article 6 of the Constitution of India.

(iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. A candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall not be permitted to compete more than twice at the examination. This restriction shall be effective from the examination held in 1972.

6. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1974, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1949 and not later than 1st January, 1956.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/ Clerks/Steno-typists/ Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Steno-typist/Hindi Clerk/Hindi Typist on 1st January, 1974 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers, on the basis of earlier examinations, held by the Institute of Secretariat Training & Management or the Union Public Service Commission.

(C) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-Servicemen who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for the vacancies reserved for ex-Servicemen only.

NOTE.—The period of "call up service" of an-Serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 6(C) above.

(D) The Upper age limit in all the above cases, will be further relaxable:—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangladesh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971;

- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (xiii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operation, during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and
- (xiv) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(1) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A Stenographer (including language Stenographer) / Clerk/Steno-typist/Hindi Clerk/Hindi Typist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. Candidates must have passed one of the following examination or must possess one of the following certificates:—

- (i) Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature of India;

- (ii) an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course, for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Examination held by the State Governments;
- (v) Tenth Class certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
- (vi) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vii) Pass in the examination held by a recognised Higher Secondary School/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the 3 year degree course);
- (viii) Tenth Class Certificate from a recognised school preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (ix) Junior Examination of the Jamia Millia Islamia Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);
- (xii) the following French Examinations of Pondicherry: (i) 'Brevet Elementaire' (ii) Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) Brevet D'etudes du Premier Cycle' (iv) 'Brevet d'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular);
- (xiii) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xiv) Higher Educational test of the Indian Navy;
- (xv) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xvi) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xvii) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xviii) Secondary School Certificates granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna/Jessore in Bangladesh;
- (xix) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xx) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (xxi) Burma High School Final Examination Certificate with eligibility for university Course;
- (xxii) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-war);
- (xxiii) Post War School leaving certificate of Burma;
- (xxiv) The "Vinil" examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xxv) Pass in the 5th Year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa Daman and Diu;
- (xxvi) General Certificate of Education (ordinary level) Examination, Ceylon (Sri Lanka), provided it is passed in at least five subjects;
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Board, London at Ordinary Level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) The Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Boards of Technical Education;
- (xxix) Purva Madhyama (with English) or Old Khand Madhyama (first two years course) and special

Examination in additional subjects with English as one of the subjects of the Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi;

- (xxx) Carta de Curso de Formacao de Serralheiro (Certificate in Smithy course) and Carta de Curso de Montador Electricista (Certificate in Electrician course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa Panaji under the Portuguese set up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu;
- (xxxi) Rashtriya Indian Military College Diploma Examination;
- (xxxii) 'Madhyama' examination conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi;
- (xxxiii) IAF Educational Test for promotion to the rank of Corporal conducted by the Directorate of Education, Air Headquarters, New Delhi; and
- (xxxiv) Qualifying Science Examination, conducted by the Delhi University.
- (xxxv) Malaysian Certificate of Education Examination of the University of Cambridge Local Examination Syndicate conducted in Collaboration with the Ministry of Education, Malaysia;
- (xxxvi) Higher Secondary (Core Subjects) Examination of Punjab University;
- (xxxvii) Passing out (Indian Navy) Examination conducted by Boys Training Establishment, Vishakhapatnam;
- (xxxviii) Anglo-Indian High School Examination (Standard xi) conducted by the Inspector of Anglo-Indian Schools, Madras.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Government, justifies his admission to the examination.

#### 8. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

9. A candidate already in Government service whether in a permanent or a temporary capacity must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of disabled ex-Defence Service personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

11. The decision of the institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

13. Candidates except Ex-Servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide para 8 (iv) of the Institute's Notice, must pay the fee prescribed in paragraph 8(i) of the Institute's Notice.

In the case Ex-Servicemen, fee concession is admissible to them only if they satisfy other conditions of eligibility as an Ex-Servicemen.

14. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

15. A candidate who is or has been declared by the Institute to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable

- (a) to be disqualified by the Institute from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Institute, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Institute, in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for appointment to Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service up to the number of unreserved vacancies in the respective Service decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard be recommended by the Institute by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the respective Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Ex-servicemen who are considered by the Institute to be suitable for appointment on the results of the examination shall be eligible to be appointed against the vacancies reserved for them irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided that ex-servicemen belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen, subject to the fitness of these candidates for selection to the respective Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. Due Consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various Services at the time of his application (cf. Col. 13 of the application form).

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in their discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointments to the respective Service.

20. Brief particular relating to the Services to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

K. B. NAIR,  
Under Secretary.

#### APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows:—

##### PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time Allowed	Maximum Marks
(i) English	3 hours	100
(ii) General Knowledge	3 hours	100

##### PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST)

300  
Marks

NOTE.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) General Knowledge of the Written Test, either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to the complete paper and not to a part thereof.

CANDIDATES WHO OPT TO ANSWER THE AFORESAID PAPER IN HINDI (DEVANAGARI) WILL BE REQUIRED TO TAKE THE SHORTHAND TESTS, ALSO IN HINDI (DEVANAGARI) ONLY; AND CANDIDATES WHO OPT TO ANSWER THE AFORESAID PAPER IN ENGLISH WILL BE REQUIRED TO TAKE THE SHORTHAND TESTS ALSO IN ENGLISH ONLY.

NOTE 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in Col. 8 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand Tests in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE 2.—Candidates who opt to take the Short-hand tests in Hindi will be required to learn English Stenography, and vice-versa, after their appointment.

NOTE 3.—A CANDIDATE WISHING TO TAKE THE EXAMINATION AT AN INDIAN MISSION ABROAD, AND EXERCISING THE OPTION TO ANSWER PAPER (ii) GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS IN HINDI IN TERMS OF PARA 3 ABOVE, MAY BE REQUIRED TO APPEAR AT HIS OWN EXPENSE, FOR THE STENOGRAPHY TESTS AT ANY INDIAN MISSION ABROAD WHERE NECESSARY ARRANGEMENTS FOR HOLDING SUCH TESTS ARE AVAILABLE.

4. Paper (i) English, of the Written Test, must be answered in English by all candidates.

5. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 100 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf. Part B of the Schedule below).

6. Candidates must write the papers in their own hands. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

7. The Institute have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Institute in their discretion will be called for shorthand test.

9. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

10. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

#### SCHEDULE

##### PART A

##### Standard and Syllabus of the Written Test

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

*English.*—The paper will be designed to test the candidates knowledge of English Grammar and Composition, and generally their power to understand and ability to write, correct English. Account will be taken of arrangement, general expression and workmanlike use of the language. The paper may include question on essay writing; precis writing; drafting; correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech, etc.

*General Knowledge.*—Some knowledge of the Constitution of India Five Year Plans, Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events, everyday science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the question and not detailed knowledge of any text book.

##### PART B

##### Scheme of Shorthand Tests

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests one at 100 words per minute for seven minutes, and another at 80 words per minute for 10 minutes, which the candidates will be required to transcribe in 50 and 65 minutes respectively.

The Shorthand Tests in Hindi will comprise two dictation tests, one at 100 words per minute for seven minutes and another at 80 words per minute for 10 minutes, which the candidates will be required to transcribe in 60 and 75 minutes respectively.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to Services to which recruitment is being made through this examination.

### A. The Central Secretariat Stenographers' Service :

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(2) Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or, if his work or conduct, in the opinion of Government, has been unsatisfactory, he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons, recruited to Grade III of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade III of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

### B. The Railway Board Secretariat Stenographers' Service

(a) (i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(ii) Person recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory, he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(d) The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of Service, staff included in the Railway Board's Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

### C. Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service has, at present, four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

2. Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. Unsatisfactory record of service during probationary period may result in discharge of the probationers from service or their period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. Persons recruited to Grade III of the Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where offices of the AFHQ/IS Organisations may be located.

4. Persons recruited to Grade III of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

5. Leave, Medical aid and other conditions of Service are same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations.

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 18th June 1974

### RESOLUTION

F.No. 14(9)-Plant(A)/66(.) In further modification of this Ministry's Resolution No. F. 14(9)-Plant(A)/66, dated the 26th July, 1973 as amended by Resolution No. F. 14(9)-Plant(A)/66 dated 17th November, 1973, 21st February, 1974 and 15th May, 1974 in regard to the reconstitution of the Pathini Advisory Board, the following changes shall be made in the said Resolution, namely :—

(1) In paragraph 4, for the words and figures "30th June, 1974" the words and figures "30th September, 1974" may be substituted.

The other terms and conditions remain unchanged.

### ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. MAHADEVA IYER,  
Under Secy.

New Delhi, the 29th June 1974

No. 4(1)/73-EPZ—The Central Government hereby appoints Shri C. Balasubramaniam, Joint Secretary, Department of Company Affairs, as a member of the Santa Cruz Export Processing Zone Board *vice* Dr. N.K. Sen Gupta and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No. 16(2)/73-TAEP dated the 20th January, 1973, namely :—

In the said notification, for the entry against serial number 14, the following entry shall be substituted, namely :—

"14. Shri C. Balasubramaniam,  
Joint Secretary,  
Department of Company Affairs".

P. C. JAYARAMAN  
Deputy Director



## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 4th July 1974

## RESOLUTION

No. 1(11)/73-CGP—In partial modification to this Ministry's Resolution No. 55(1)/73-Con. Ind. dated the 25th September, 1973, it has been decided to include the following officer as a Member in the Panel for Ceramic Industry against S. No. 5, in the place of Shri T.C.K. Pillai :—

Shri N. Gopalakrishnan Nair,  
General Manager,  
M/s. The Kerala Ceramics Ltd.,  
P.O. Kundara, KERALA.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. SUBRAMANYAN,  
Under Secy.

## DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 18th June 1974

No. 1/6/72-CTE—Shri H.N. Ray, Finance Secretary to the Government of India has been nominated as Member (Finance) on the Governing Body of the CSIR with effect from 31-5-1974 (AN) *vice* Shri M.R. Yardi. Consequently, the name of Shri M.R. Yardi appearing in bracket under Serial No.1 of Notification No. 1/8/71-CTE dated 20th October, 1973 published in Part I Section 1 of the Gazette of India regarding nomination of the members of the Governing Body of the CSIR on the Society (Council of Scientific and Industrial Research) be and is hereby replaced with that of "Shri H.N. Ray".

No. 1/6/72-CTE—Shri H.N. Ray, Finance Secretary to the Government of India, has been nominated as Member (Finance) on the Governing Body of CSIR with effect from 31-5-1974 (AN) *vice* Shri M.R. Yardi. Consequently, the name of Shri

M.R. Yardi appearing in bracket under Serial No. 2 of Notification No. 1/6/72-CTE dated 10th August, 1973 published in Part I, Section I of the Gazette of India regarding constitution of Governing Body of CSIR be and is hereby replaced with that of "Shri H.N. Ray".

K.G. KRISHNAMURTI,  
Jt. Secy.  
Ex-Officio Department of Science  
and Technology

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE  
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 20th June 1974

IN THE MATTER OF SIR JAMSETJEE JEJEEBHoy  
PARSEE BENEVOLENT INSTITUTION BOMBAY.

No 8-5-72—CDN—Whereas an application has been made to the Central Government by the Administrator of the Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay that the security specified in the Scheduled hereto annexed be vested under the designation of the said Institution in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be applied in trust upon the terms contained in the Scheme of administration of the Institution, published with the notification of the erstwhile Government of Bombay No. 453 dated the 7th March, 1906;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Charitable Endowments Act, 1850 (6 of 1890), the Central Government hereby directs that the said security shall be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in office upon trust to hold the said security and the income there of in accordance with the terms set out in the said scheme,

Kind of Security	Schedule No.	Face Value
5½ % Maharashtra State Loan 1985	By 000756	Rs. 500/- (Rs. five hundred only)
		P. S. BALAKRISHNAN, Under Secy.

